# एक पत्र : इंदिरा के नाम

नैनी जेल, 1930

प्रिय इंदिरा,

जब तुम मेरे साथ रहती हो तो अकसर मुझसे बहुत-सी बातें पूछा करती हो। मैंने इरादा किया है कि मैं कभी-कभी तुम्हें इस दुनिया की और उसके छोटे-बड़े देशों की कथाएँ लिखा करूँगा ।

पुराने जमाने में शहरों और गाँवों में किस तरह के लोग रहते थे ? उनका कुछ हाल उनके बनाये हुए बड़े-बड़े मकानों और इमारतों से मालूम होता है । कुछ उन पत्थर की तख्तियों की लिखावट से भी मालूम होता है, जो वे छोड़ गए हैं । इसके अतिरिक्त बहुत पुरानी किताबें भी हैं जिनमें उस समय के बारे में ज्ञान होता है ।

मिस्र में अब भी बड़े-बड़े मीनार और 'स्फिंक्स' मौजूद हैं । लक्सर और दूसरी जगहों में भव्य मंदिरों के खंडहर नज़र आते हैं । तुमने इन्हें देखा नहीं है लेकिन जिस वक्त हम स्वेज नहर से गुजर रहे थे, वे हमसे बहुत दूर न थे । शायद तुम्हारे पास उनकी तस्वीरों के पोस्टकार्ड मौजूद हों । 'स्फिंक्स' औरत के सिरवाली शेर की मूर्ति को कहते हैं । इसका डीलडौल बहुत बड़ा है । किसी को यह नहीं मालूम कि यह मूर्ति क्यों बनाई गई । उस औरत के चेहरे पर एक अजीब मुरझाई हुई मुस्कराहट है और किसी की समझ में नहीं आता कि वह इस तरह क्यों मुस्करा रही है ।

तुम तो जान ही गई होगी कि आज मैं तुम्हें मिस्र देश के बारे में बताने जा रहा हूँ । मिस्र में बनी मीनारें बहुत लंबी-चौड़ी हैं । वास्तव में वे मिस्र के पुराने बादशाहों के मकबरे हैं जिन्हें 'फ़िरऊन' कहते थे । तुम्हें याद है कि तुमने लंदन के अजायबघर में मिस्र की 'ममी' देखी थी ? 'ममी' किसी

आदमी या जानवर के मृत शरीर को कहते हैं, जिसमें कुछ ऐसे तेल और मसाले लगा दिए जाते हैं कि वह सड़ न जाए । बादशाहों को मरने के बाद 'ममी' बना दिया जाता था और उन्हें बड़ी-बड़ी मीनारों में रख दिया जाता था । उनके पास सोने और चाँदी के गहने, सजावट की चीजें और खाने की वस्तुएँ भी रख दी जाती थीं । लोगों का विचार था कि शायद मरने के बाद भी उन्हें खाने की आवश्यकता रहेगी । दो-तीन साल हुए कुछ लोगों ने इनमें से एक मीनार के अंदर एक बादशाह की लाश पाई, जिसका नाम तूतन खामिन था । उसके पास बहुत-सी खूबसूरत और कीमती चीजें रखी हुई मिलीं ।

उस ज़मानें में भी मिस्र में खेतों को सींचने के लिए अच्छी-अच्छी नहरें और झीलें बनाई जाती थीं । 'मेरी डू' नाम की झील खासतौर पर मशहूर थी । इससे मालूम होता है कि पुराने ज़माने के मिस्र के रहनेवाले कितने होशियार थे और उन्होंने कितनी तरक्की की थी । इन नहरों, झीलों और बड़े-बड़े मीनारों को अच्छे-अच्छे इंजीनियरों ने ही बनाया होगा ।

केंडिया या क्रीट एक छोटा-सा टापू है जो भूमध्य सागर में है । हम उस टापू के पास से होकर निकले थे । उस छोटे से टापू में पुराने ज़माने में बहुत अच्छी सभ्यता पाई जाती थी । नोसोज में एक बहुत बड़ा महल था और उसके खँडहर अब तक मौजूद हैं । इस महल में स्नानघर और पानी के नल भी थे । नादान लोग इसे नए ज़माने की चीज़ समझते हैं । इसके अलावा वहाँ खूबसूरत मिट्टी के बरतन, पत्थर की नक्काशी, तस्वीरें और धातु तथा हाथी-दाँत के बारीक काम भी किए जाते थे । इस छोटे से टापू में लोग शांति से रहते थे । उन्होंने खूब तरक्की की थी ।

तुमने मीदास बादशाह का हाल पढ़ा होगा । वह जिस चीज़ को छू लेता था, वह सोना हो जाती थी । वह खाना नहीं खा सकता था क्योंकि खाना सोना हो जाता था और सोना तो खाने की चीज है नहीं । उसके लालच की उसे यह सज़ा दी गई थी । यह है तो एक मज़ेदार कहानी, लेकिन इससे हमें यह मालूम होता है कि सोना इतनी अच्छी और लाभदायक चीज़ नहीं है, जितना लोग सोचते हैं । क्रीट के सभी राजा मीदास कहलाते थे और यह कहानी उन्हीं में से किसी एक राजा की होगी ।

तुम्हारे पिता
जवाहरलाल नेहरू

*__विचारबोध__ :- देश के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्रता संग्राम में प्रमुख रूप से योगदान देकर कारावास झेलते रहे । कारावास के दौरान उन्होंने अपनी पुत्री इन्दु को अनेक प्रेरक पत्र लिखे थे । प्रस्तुत पत्र उनमें से एक है । जिसमें मिस्र देश और नील नदी के आस-पास की सभ्यता के बारे में कई आश्चर्यजनक जानकारियाँ दी हैं जो आगे चलकर इन्दु को महान बनने की प्रेरणा देती हैं । नेहरू जी के पत्रों का प्रमुख उद्देश्य संसार के विभिन्न देशों की सभ्यता का ज्ञान देना । यही इन्दु आगे चलकर भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के नाम से प्रसिद्ध हुई ।*

## - शब्दार्थ -

कारावास - जेल की सजा । इरादा - इच्छा, लक्ष्य । इमारत - मकान । मौजूद - उपस्थित । तस्वीर - चित्र । खास तौर - विशेष । समझ - अच्छे-बुरे का ज्ञान । मकबरा - कब्र की इमारत । खूबसूरत - सुन्दर । कीमती - मूल्यवान, दामी । मशहूर - प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त । महल - राजभवन । नादान - नासमझ, मूर्ख । टापू - जमीन का ऐसा टुकड़ा जो चारों तरफ पानी से घिरा हो । बारीक - सूक्ष्म, महीन । तरक्की - उन्नति । लाभदायक - लाभ देने वाली । कथा - कहानी । खँडहर - टूटी-फूटी इमारतें ।

## प्रश्न और अभ्यास

**1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -**

(i) यह कैसे पता चलता है कि मिस्र की सभ्यता विकसित थी ?

(ii) 'स्फिंक्स' की मूर्ति की विशेषता क्या है ?

(iii) पंडित नेहरू ने किस टापू का वर्णन किया है ? उन्हें वहाँ क्या-क्या देखने को मिला था ?

(iv) लालची बादशाह मीदास को उसके लालच की सजा कैसे मिली ?

**2. संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -**

(i) यह पत्र इन्दिरा जी को किसने, कब और कहाँ से लिखा ?

(ii) ममी किसे कहते हैं ?

(iii) नेहरू जी ने यह पत्र किस उद्देश्य से लिखा था ?

(iv) 'ममी' के साथ खूबसूरत और कीमती वस्तुएँ क्यों रखी जाती थीं ?

(v) पुराने जमाने की सभ्यता के बारे में हमें जानकारी कहाँ से मिलती है ?

**3. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -**

(i) बड़े-बड़े मीनार और स्फिंक्स किस देश में हैं ?

(ii) केंडिया या क्रीट टापू किस सागर में हैं ?

(iii) क्रीट के सभी राजा क्या कहलाते थे ?

(iv) मिस्र के पुराने बादशाहों के मकबरा को क्या कहते हैं ?

(v) हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे ?

(vi) इस पाठ में किस देश की सभ्यता के बारे में जानकारी दी गई है ?

(vii) मिस्र देश की कौन-सी झील खासतौर पर मशहूर थी ?

(viii) क्रीट टापू में कौन-कौन से बारीक काम किए जाते थे ?

**4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -**

(i) उस औरत के चेहरे पर एंक अजीब मुरझाई हुई मुस्कराहट है और किसी की समझ में नहीं आता कि वह इस तरह क्यों मुस्करा रही है ।

(ii) इस छोटे से टापू में लोग शांति से रहते थे । उन्होंने खूब तरक्की की थी ।

## भाषा ज्ञान

**5. रिक्त स्थानों को समुच्चयबोधक अव्यय से भरें -**

(i) राकेश ..... रमेश खेलते हैं ।

(ii) कल उसे बुखार था ..... वह स्कूल नहीं आया ।

(iii) गाड़ी आयी ..... मनोज नहीं पहुँचा ।

(iv) वह न दूध पीता है ..... न कॉफी ।

(v) मैं कल नहीं आ सका ..... मैं बीमार था ।

**6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिए -**

बेटी, गाँव, पुरानी, देश, मृत्यु, कीमती, खूबसूरत, लाभ ।

**7. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए-**

औरत, शेर, सम्राट, राजा, साहब, आचार्य ।

**8. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -**

चन्द्रमा, बादल, गृह, नदी, पक्षी, युद्ध ।